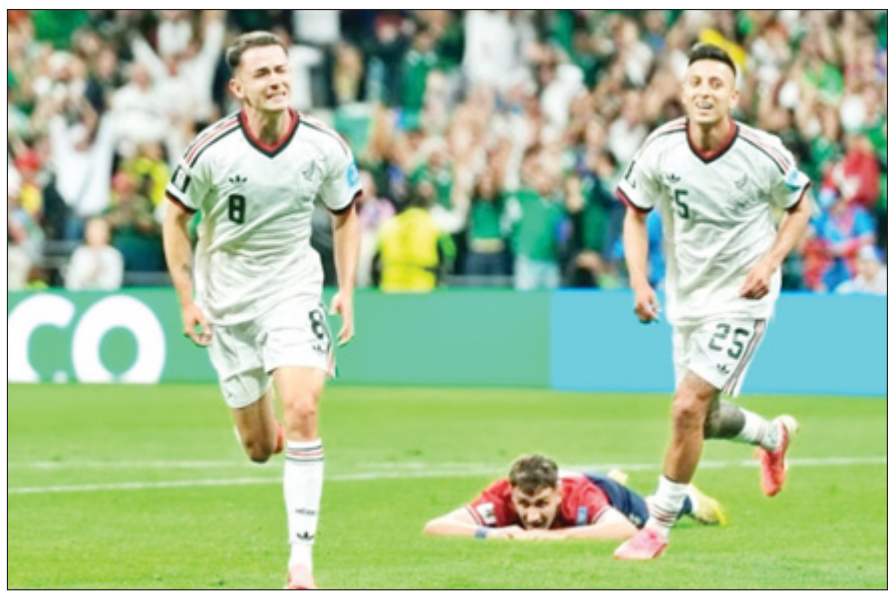

फीफा विश्व कप 2026 : मेक्सिको ने चेकिया को 3-0 से रौंदा, विश्व कप में पहली बार ग्रुप चरण के सभी मैच जीते

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को चेकिया को 3-0 से हराकर ग्रुप चरण के अपने तीनों मुकाबले जीत लिए। इस जीत के साथ मेक्सिको ने इतिहास रचते हुए पहली बार विश्व कप के ग्रुप चरण में शत-प्रतिशत जीत दर्ज की।

मेक्सिको की जीत के नायक रहे 22 वर्षीय मातेओ चावेज़, जिन्होंने अपने पहले ही विश्व कप में 55वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जूलियन क्विनोनेस ने 61वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना दूसरा गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। मुकाबले के इंजरी टाइम में अल्वारो फिडाल्गो ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी।

इससे पहले मेक्सिको का सर्वश्रेष्ठ ग्रुप चरण प्रदर्शन दो जीत और एक ड्रा का रहा था, जो 1986 और 2002 विश्व कप में देखने को मिला था। दिलचस्प बात यह है कि दोनों अभियानों में जेवियर एग्विरे किसी न किसी रूप में टीम से जुड़े थे—1986 में खिलाड़ी और 2002 में मुख्य कोच के रूप में।

ग्रुप ए में शीर्ष स्थान पहले ही सुनिश्चित कर चुकी मेक्सिको अब राउंड आफ 32 में अपने अगले मुकाबले के लिए तैयार है, जो 1 जुलाई को एज़्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरी ओर, चेकिया का अभियान निराशाजनक रहा। टीम तीन मैचों में केवल एक अंक जुटा सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

मुकाबले में मेक्सिको के युवा और अनुभवी खिलाड़ियों ने भी सुर्खियां बटोरीं। 17 वर्षीय गिल्बर्टो मोरा विश्व कप में मेक्सिको की ओर से शुरुआती एकादश में उतरने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

वहीं 40 वर्षीय गोलकीपर गिलर्मो मेमो ओचोआ 77वें मिनट में मैदान पर उतरकर विश्व कप के छह संस्करणों में खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। इस सूची में केवल अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी शामिल हैं।

हालांकि मैच के दौरान कुछ दर्शकों द्वारा लगाए गए विवादित नारे भी चर्चा का विषय बने, जिनके कारण पहले भी मेक्सिको फुटबाल महासंघ को दंड झेलना पड़ा है।

मेक्सिको की यह जीत उसे नाकआउट चरण में मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करती है, जबकि चेकिया के लिए विश्व कप 2026 का सफर यहीं समाप्त हो गया।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 : कनाडा को 2-1 से हराकर स्विट्जरलैंड ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान किया पक्का

वैंकूवर। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-बी मुकाबले में बुधवार को स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बीसी वैंकूवर स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में तीनों गोल दूसरे हाफ में देखने को मिले। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने आक्रामक रुख अपनाया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में योहान मांजाम्बी ने दूसरा गोल कर स्विट्जरलैंड की स्थिति मजबूत कर दी और स्कोर 2-0 कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद कनाडा ने वापसी की कोशिश की। 76वें मिनट में प्रामिस डेविड ने गोल कर अंतर कम किया और मुकाबले को रोमांचक बना दिया। मैच के अंतिम क्षणों में कनाडा बराबरी के बेहद करीब पहुंच गया था। अतिरिक्त समय के आखिरी मिनट में अलिस्टेयर जानस्टन का हेडर सीधे स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल के हाथों में चला गया और कनाडा की उम्मीदें टूट गईं। इस जीत के साथ स्विट्जरलैंड ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया, जबकि कनाडा को करीबी हार के बावजूद अगले चरण की उम्मीदों के लिए अन्य परिणामों पर निर्भर रहना होगा ।

फीफा विश्व कप 2026 :स्काटलैंड को हराकर ब्राज़ील ग्रुप-सी में शीर्ष पर, विनीसियस जूनियर ने दागे दो गोल

मियामी। स्टार विंगर विनीसियस जूनियर के शानदार दो गोलों की बदौलत ब्राज़ील ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-सी मुकाबले में बुधवार को स्काटलैंड को 3-0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया। मैच की शुरुआत से ही ब्राज़ील ने आक्रामक खेल दिखाया। सातवें मिनट में स्काटलैंड के रक्षक स्काट मैकेना की गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने गोल दागकर ब्राज़ील को बढ़त दिलाई। 22वें मिनट में विनीसियस ने एक और गोल किया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद इसे रद्द कर दिया गया। फैसला दिया गया कि उन्होंने स्काटलैंड के रक्षक जैक हेंड्री को फाउल किया था। हालांकि, विनीसियस ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में अपना दूसरा गोल दागकर ब्राज़ील की बढ़त दोगुनी कर दी। ब्रूनो गिमारेस के सटीक क्रास पर उन्होंने शानदार हेडर लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। दूसरे हाफ में ब्राज़ील ने अपना दबदबा कायम रखा और तीसरा गोल भी कर दिया। ब्रूनो गिमारेस के पास पर माथेउस कुन्हा ने गोल करते हुए टूर्नामेंट में अपना तीसरा गोल दर्ज किया।

यूएस ओपन बैडमिंटन: तन्वी शर्मा और किदांबी श्रीकांत ने जीत के साथ किया आगाज

फुलर्टन (अमेरिका)। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा और थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 के महिला एकल वर्ग में विजयी शुरुआत की। तन्वी शर्मा ने जर्मनी की यवोन ली को 23-21, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं देविका सिहाग ने पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो को सीधे गेमों में 21-14, 21-14 से पराजित किया। पुरुष एकल वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में उभरते शटलर रौनक चौहान ने पूर्व विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता एस. शंकर मुथुसामी को 23-21, 21-16 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया। टूर्नामेंट के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए भारतीय खिलाड़ी डी. सनीत को मात्र 30 मिनट में 21-14, 21-12 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। महिला एकल में रक्षिता श्री ने भी जीत दर्ज की। उन्होंने चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवा को 21-15, 21-8 से हराया। मिश्रित युगल वर्ग में भारत की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ध्रुव रावत और के. मनीषा ने इंडोनेशिया के विरावन इहसान आदम और सेरेना कानी को 21-15, 21-16 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला केवल 26 मिनट में अपने नाम किया।

क्रिकेट किट खरीदने के लिए मां ने अपने गहने तक बेचे थे : क्रांति गौड़

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर राष्ट्रीय टीम तक पहुंची हैं। क्रांति का कहना है कि उसके यहां तक पहुंचने में माता-पिता और परिवार ने काफी संघर्ष और त्याग किया था। इसी कारण अब वह उनके लिए खिताब जीतकर गर्व का अनुभव कराना चाहती हैं। क्रांति के अनुसार उसकी क्रिकेट किट खरीदने के लिए उनकी मां ने अपने गहने तक बेच दिए थे।

यह उनके परिवार द्वारा किया एक बड़ा त्याग था, जिसने क्रांति को एक गहरी जिम्मेदारी का एहसास कराया। उन्होंने कहा, परिवार मेरे लिए इतना कर रहा था, तो मुझे जिम्मेदारी महसूस हुई। मैं उन्हें कुछ लौटाना चाहती थी। मैं उनके बलिदान को मायने देना चाहती थी। क्रांति अपने परिवार की हमेशा आभारी रहेंगी, जिन्होंने उन्हें अपनी पसंद का करियर चुनने और अपने सपनों को पूरा करने की आजादी दी। उस दौर को याद करते हुए क्रांति बताती हैं, उस समय कई लड़कियों को घर से बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं थी, लेकिन मेरे माता-पिता अलग थे। उन्होंने कभी मुझे यह महसूस नहीं कराया कि मैं कुछ गलत कर रही हूं। उन्होंने मेरे सपने पर भरोसा किया। पैसों की तंगी के बावजूद, उनके माता-पिता ने हर कदम पर उनका साथ दिया। क्रांति मानती हैं कि जब परिवार का साथ हो, तो बाहरी दुनिया की नकारात्मक बातों का कोई मतलब नहीं रह जाता। उनके परिवार के इस अटूट विश्वास और समर्थन ने उन्हें अपने लक्ष्यों को पाने की ताकत दी। क्रांति की सफलता ने सिर्फ उनके जीवन को ही नहीं, बल्कि उनके पैतृक गांव घुवारा में भी एक क्रांति ला दी है। उन्होंने गर्व से बताया कि भारत के लिए उनके सफल प्रदर्शनों की वजह से गांव में एक क्रिकेट अकादमी खुल गई है।

ब्रॉड भी हुए वैभव के मुरीद, बोले उससे संभलकर रहे इंग्लैंड के गेंदबाज

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 15 साल के उभरते हुए भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि हम उसका खेल देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैभव के आक्रामक अंदाज के साथ ही उनकी निडर रवैये से भी ब्रॉड बेहद प्रभावित हैं अनका कहना है कि विरोधी टीम के लिए इस बल्लेबाज पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। वैभव ने जिस प्रकार से हाल में भारत ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका 'ए के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी और 11 गेंदों में लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक लगाया था। उससे भी इंग्लैंड के खेमे में जबरदस्त उत्साह है। ब्रॉड ने कहा, उसके पास सब कुछ है, है न अब तो वह स्लेजिंग भी करने लगा है! उसके लिए क्रिकेट बहुत आसान हो गया है। 11 गेंदों में अर्धशतक! यह वाकई पागलपन है। उन्होंने आगे कहा, मैं 1 जुलाई को डरहम में भारत के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में रहूंगा और मुझे सच में लगता है कि मैं उसे देखकर हैरान रह जाऊंगा। ब्रॉड ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैभव की यह चर्चा केवल सोशल मीडिया में बनी हुई कहानी नहीं है। क्रिकेट जगत में हर कोई इसी क्रिकेटरर की बात कर रहा। ब्रॉड ने बताया, मैंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सहायक कोच दिनेश कार्तिक से जबवैभव के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि यह लड़का सचमुच असाधारण है। आप सोच भी नहीं सकते कि यह बच्चा कितना बेहतरीन क्रिकेटर है। ब्राड के अलावा इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भी वैभव जमकर प्रशंसा की है।बटलर ने उनके रिकॉर्ड्स की तारीफ करते हुए कहा, उसने भारत ए के लिए 11 गेंदों में 50 रन बनाए, जो लिस्ट-ए इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है। इंग्लैंड टीम को सावधान करते हुए बटलर ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो हमने पहले कभी नहीं देखा। वह जिस तेजी से रिकॉर्ड्स तोड़ रहा है, वह डराने वाला है। एक इंग्लिश टीम के रूप में हमें टी20 सीरीज में उसपर अंकुश लगाने के तरीके खोजने होंगे। वह वाकई एक अलग स्तर का खिलाड़ी है। गौरतलब है कि वैभव ने पिछले कुछ महीनों में जिस तेजी से क्रिकेट की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है, उसने उन्हें सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का एक चर्चित चेहरा बना दिया है। अब इंग्लैंड दौरे पर सभी की निगाहें इस बात पर टिकी होंगी कि क्या विदेशी पिचों पर भी वैभव उसी रफ्तार से रन बनाएंगे, जिस तरह उन्होंने घरेलू पिचों पर बनाये हैं।

महिला टी20 विश्व कप वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

लंदन

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने बुधवार को वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इंग्लैंड टूर्नामेंट की पहली टीम बन गई है जिसने अंतिम चार में प्रवेश किया है।

दोनों टीमें इस मुकाबले से पहले अपराजित थीं, लेकिन इंग्लैंड ने एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज कर अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 186 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज डैनी वायट-हाज ने 65 रन की शानदार पारी खेली, जबकि कप्तान हीदर नाइट ने 43 रन का योगदान दिया।

हालांकि चिनेल हेनरी ने शुरुआती झटका देते हुए एमी जोन्स को आउट किया, लेकिन डैनी वायट-हाज और हीदर नाइट ने पारी को संभाल लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अशमिनी मुनिसार ने दो विकेट लिए।

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद धीमी रही। पावरप्ले के पहले तीन ओवरों में टीम केवल 12 रन ही बना सकी। कप्तान हेली मैथ्यूज ने कुछ आकर्षक शाट लगाए, लेकिन विवादास्पद फैसले का शिकार होकर 14 रन पर आउट हो गईं।

इसके बाद डिएंड्रा डाटिन ने तेजी से रन बनाने की कोशिश की, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। मध्यक्रम भी दबाव में बिखर गया और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही।

अंतिम ओवरों में चिनेल हेनरी ने संघर्ष करते हुए नाबाद 51 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सकीं। वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड की ओर से चार्ली डीन ने दो विकेट झटके, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी कर वेस्टइंडीज को लक्ष्य से काफी दूर रखा।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि वेस्टइंडीज को अब अगले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी।

संक्षिप्त स्कोर:

इंग्लैंड - 186/7 (20 ओवर)
डैनी वायट-हाज 65, हीदर नाइट 43
अशमिनी मुनिसार 2/42

वेस्टइंडीज - 148/5 (20 ओवर)
चिनेल हेनरी 51*
चार्ली डीन 2/31

परिणाम: इंग्लैंड ने 38 रन से जीत दर्ज की।

आईएचएफ महिला अंडर 20 हैंडबाल विश्व चैम्पियनशिप

चीन में ग्रुप ई आईएचएफ महिला अंडर 20 हैंडबाल विश्व चैम्पियनशिप में खेलते हुए चीन और अल्जीरिया के खिलाड़ी।

इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक टेस्ट से बाहर रहेंगे काइल जैमीसन

नाटिंघम

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले जाने वाले तीसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड टीम प्रबंधन ने उनके कार्यभार (वर्कलोड) को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। टीम के कप्तान टाम लैथम ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। करीब सात फीट लंबे तेज गेंदबाज जैमीसन ने लार्ड्स और द ओवल में खेले गए पहले दो टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 24.20 की औसत से 10 विकेट हासिल किए थे। तीन मैचों की श्रृंखला फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है और अंतिम मुकाबला गुरुवार से नाटिंघम में शुरू होगा।

पिछले कुछ वर्षों में पीठ की चोटों से जूझने वाले जैमीसन ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की है। उन्होंने पहले दो टेस्ट में कुल 65 ओवर गेंदबाजी की, जो दोनों टीमों के किसी भी गेंदबाज द्वारा डाले गए सबसे अधिक ओवर थे। ऐसे में न्यूजीलैंड ने एहतियातन उन्हें आराम देने का फैसला किया है।

कप्तान टाम लैथम ने ट्रेंट ब्रिज में पत्रकारों से कहा, काइल जैमीसन चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। शुरुआत से ही योजना थी कि वह दो टेस्ट मैच खेलेंगे।

उन्होंने आगे कहा, वह पूरी तरह फिट हैं और किसी तरह की चोट नहीं है। पिछले दो-तीन वर्षों में उन्होंने जिस कठिन दौर का सामना किया है, उसे देखते हुए दो टेस्ट खेल पाना हमारे और उनके लिए बड़ी उपलब्धि है।

जैमीसन की जगह तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है। इसके अलावा न्यूजीलैंड प्रबंधन बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सैंटनर को भी टीम में शामिल करने पर विचार कर रहा है। सैंटनर फिटनेस हासिल कर चुके हैं और नाटिंघम में गर्म एवं शुष्क मौसम को देखते हुए स्पिन विकल्प अहम साबित हो सकता है।

ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के पहले दो दिनों के लिए गर्मी की चेतावनी जारी की गई है, लेकिन लैथम ने इसे लेकर चिंता जताने से इनकार किया।

उन्होंने कहा, मैं इसे चिंता का विषय नहीं मानता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर होने के नाते हम दुनिया भर में गर्म और उमस भरी परिस्थितियों में खेलने के आदी हैं।

लैथम ने खिलाड़ियों को हाइड्रेशन पर विशेष ध्यान देने की सलाह देते हुए कहा, पांच दिनों तक अच्छा प्रदर्शन करने के लिए शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनाए रखना बेहद जरूरी है।

न्यूजीलैंड अब बिना जैमीसन के निर्णायक मुकाबले में उतरकर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगा।

फीफा विश्व कप 2026 : दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार विश्व कप नाकआउट में किया प्रवेश

दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से दी शिकस्त

मेक्सिको

दक्षिण अफ्रीका ने फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रचते हुए दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर पहली बार नाकआउट चरण में प्रवेश कर लिया।

मेक्सिको के मोंटेरे स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए ग्रुप ए के इस मुकाबले में थापेलो मासेको के दूसरे हाफ में किए गए गोल ने दक्षिण अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

2010 में अपने देश में आयोजित विश्व कप के बाद पहली बार टूर्नामेंट में खेल रही दक्षिण अफ्रीकी टीम को शुरुआती मुकाबले में मेक्सिको से 0-2 की हार के बाद लगभग बाहर माना जा रहा था। हालांकि, उसने चेक गणराज्य के खिलाफ ड्रा खेलकर वापसी की और फिर दक्षिण कोरिया को हराकर अंतिम-32 में जगह बना ली।

मुकाबले की शुरुआत दक्षिण कोरिया ने आक्रामक अंदाज में की। कप्तान की जगह टीम की अगुवाई कर रहे किम मिन-जे का शक्तिशाली हेडर गोल लाइन पर ही रोक दिया गया, जबकि ली कांग-इन का प्रयास मामूली अंतर से बाहर चला गया।

दक्षिण अफ्रीका ने धीरे-धीरे खेल पर पकड़ बनाई, लेकिन फिनिशिंग में कमजोरी दिखाई। 30वें मिनट में उसे बढ़त लेने का सुनहरा मौका मिला, जब एविडेंस माकगोपा के पास आसान अवसर था, लेकिन वह गोलकीपर किम सियुंग-ग्यु को भेद नहीं सके।

दूसरे हाफ की शुरुआत में दक्षिण कोरिया ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने स्टार खिलाड़ी और कप्तान सोन ह्युंग-मिन को मैदान पर उतारा। इसके बावजूद टीम को सफलता नहीं मिली।

63वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका को वह मौका मिला जिसका उसे इंतजार था। त्शेपांग मोरेमी के क्रास पर थापेलो मासेको ने शानदार फिनिश करते हुए गेंद को निकट पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर रोनवेन विलियम्स और रक्षापंक्ति ने कोई मौका नहीं दिया।

इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने नाकआउट चरण में जगह पक्की कर ली, जहां उसका सामना 28 जून को लास एंजिलिस में सह-मेजबान कनाडा से होगा।

वहीं, मेक्सिको ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर नौ अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिणाम: दक्षिण अफ्रीका 1-0 दक्षिण कोरिया

गोल: थापेलो मासेको (63वां मिनट)

अगला मुकाबला: दक्षिण अफ्रीका बनाम कनाडा (राउंड आफ 32) - 28 जून।